चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	25.9.24	2	7-8

The Tribune

Agri varsity develops high-quality protein maize hybrid variety

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER24

The Regional Research Station of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Karnal, has developed a high yielding, high-quality protein maize (HQPM) variety 28 for fodder purposes.

This hybrid has been released and notified for cultivation in the central zone of India comprising the Bundelkhand region of Uttar Pradesh, Maharashtra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh for kharif season by the central sub-committee on crop standards and release of varieties for agricultural crops.

Vice-Chancellor Prof BR Kamboj said the new hybrid HQPM 28, apart from giving higher yield, is nutritionally rich and resistant to maydis leaf blight disease and moderately resistant to major insect fall army worm (FAW) under artificial infestation conditions. This hybrid will give a boost to the silage industry having a fodder yield potential of 550-600 quintals/ha. This hybrid gives 352 quintals/ha green fodder yield and 79 quintals/ha dry matter yield with higher per day productivity for green fodder yield (6.1 quintal/ha/day). HQPM 28 becomes ready to harvest in just 60 -70 days after sowing.

The VC said it was also rich in quality parameters such as protein in plant (8.7 per cent), acid detergent fibre (42.4 per cent), neutral detergent fibre (65 per cent) and in vitro digestibility (54 per cent) that made HQPM 28 superior in digestibility traits compared to the existing hybrids. He congratulated the scientists of Regional Research Station, Karnal, for this achievement and called upon them to continue their efforts in future as well.

Director of Research, Rajbir Garg, said being a three-way cross hybrid, HQPM 28's seed production was economical. Being a QPM hybrid, it was nutritionally rich having double the content of essential amino acids — lysine and tryptophan — as compared to normal maize, he said.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	25-9-24	3	1-2

दैनिक भास्कर

हकृवि ने मक्का की नई किस्म एचक्यूपीएम 28 की विकसित

इस किस्म की हरे चारे की होती है ज्यादा पैदावार

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का की संकर किस्म एचक्यूपीएम 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों, कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है। जिसमें यूपी का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म अधिक पैदावार व उर्वरक के प्रति क्रियाशील है। यह पोषण से भरपूर, प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ व उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इसमें प्रोटीन 8.7%, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4%, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65% व कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54% है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओपी चौधरी ने कहा कि इस किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है। बंपर पैदावार पाने के लिए जमीन तैयार करने से पहले 10 टन प्रति एकड़ गोबर की खाद डालनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा को बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा को बुआई के 3-4 सप्ताह बाद डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25-9-24	12	1-5

एचएयू के करनाल अनुसंधान केंद्र की बड़ी उपलब्धि

उच्च गुणवत्ता युक्त हाईब्रिड मक्का एचक्यूपीएम 28 किया विकसित

एच.क्यू.पी.एम के हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल और उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के साथ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एच.क्यू.पी.एम.) की संकर किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ तथा उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा प्रौष्टिकता से भरपूर है जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है। इस किस्म के यह सभी पाचन गुण इसे मौजूदा किस्मों से बेहतर बनाते है।

किफायती बीज का उत्पादन

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि तीन-तरफा क्रॉस हाइब्रिड होने के कारण इसका बीज उत्पादन किफायती है व क्यूपीएम हाइब्रिड होने के कारण यह पोषण से भरपूर है व इसमें आवश्यक अमीनो एसिड लाइसिन और ट्रिप्टोफैन की मात्रा सामान्य मक्का की तुलना में दोगुनी है। क्यूपीएम और नवीनतम हाइब्रिड होने के कारण, यह निश्चित है कि यह हाइब्रिड अपनी सिफारिश के क्षेत्र में मौजूदा लोकप्रिय किस्मों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके साथ ही यह चारे की बेहतर गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी कारगर साबित हो रहा है।

यह बिजाई का सही समय

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओपी चौधरी ने एच.क्यू.पी.एम. 28 की बुआई का उपयुक्त समय बताते हुए कहा कि इस संकर किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है। इस किस्म की बंपर पैदावार पाने के लिए जमीन तैयार करने से पहले 10 टन प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाली गोबर की खाद डालनी चाहिए। हरे चारे की उपज को अधिकतम करने के लिए एनपीके उर्वरकों की सिफारिश खुराक 48:16:16 किलोग्राम प्रति एकड़ इस्तेमाल करनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा को बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा को बुआई के 3-4 सप्ताह बाद डालें।

जीजेयू में 'दीक्षा आरंभ, स्टूडेंट इंडक्शन कार्यक्रम' का शुभारंभ

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सौजन्य से 'दीक्षा-आरंभ : स्टूडेंट इंडक्शन कार्यक्रम' का शुभारंभ मंगलवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुआ। चार दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने किया। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. देवेन्द्र कुमार कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। अध्यक्षता शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पूनिया ने की। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा विभाग विश्वविद्यालय का नया विभाग है। भविष्य के शिक्षकों का विश्वविद्यालय में स्वागत है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी होते हैं। विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि इस विश्वविद्यालय से निकलने वाले विद्यार्थी श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अपनी शिक्षाएं दें। वे न केवल ज्ञानवान हों, बल्कि समाज तथा राष्ट्र के प्रति स्वयं जागरूक रहते हुए अपने विद्यार्थियों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में आने वाले नव आगंतुक विद्यार्थियों का सौभाग्य है कि वे विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं।

सुविधाओं का करें अधिक से अधिक प्रयोग

विवि का विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा हैं। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स स 124 है, जो इस क्षेत्र में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक प्रयोग करें। डीन एकेडमिक अफेयर्स ने नव आगंतुक विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमताओं का अधिक से अधिक प्रयोग करके शिक्षा ग्रहण करने का प्रयास करें तथा विश्वविद्यालय की विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठाते हुए खुद को कौशलयुक्त तथा जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास करें। प्रो. वंदना पूनिया ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की जानकारी दी जाएगी।

वैज्ञानिकों की जिस टीम ने इसको विकसित करने में मुख्य योगदान दिया उनमें डॉ. एमसी कम्बोज, प्रीति शर्मा, कुलदीप जांगिड़, पुनीत कुमार, साईं दास, नरेन्द्र सिंह, ओपी चौधरी, हरबिंदर सिंह, नमिता सोनी, सोमबीर सिंह और संजय कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-9-24	3	1-2

एचएयू ने विकसित की हाइब्रिड मक्का, प्रति एकड़ देगी 141 क्विंटल चारे की पैदावार

एचएयू में वैज्ञानिकों की टीम के साथ कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का की संकर किस्म एचक्यूपीएम 28 विकसित की है।

यह किस्म केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है, जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि नई किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ और उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा पौष्टिकता से भरपूर है, जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है।

इस किस्म को विकसित करने में डॉ. एमसी कांबोज, प्रीति, कुलदीप जांगिड़, पुनीत, साईं दास, नरेंद्र सिंह, ओपी चौधरी, हरबिंदर सिंह, नमिता सोनी, सोमबीर सिंह व संजय ने अहम भूमिका निभाई। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-9-24	5	3-6

हकृवि ने उच्च गुणवत्ता युक्त मक्का हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम 28 की विकसित

हिसार, 24 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एच.क्यू.पी.एम.) की संकर किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ तथा उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा पौष्टिकता से भरपूर है जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है। इस किस्म के यह सभी पाचन गुण इसे मौजूदा किस्मों से बेहतर बनाते है। कुलपति ने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र करनाल के वैज्ञानिकों की टीम को ईजाद की गई इस नई किस्म के लिए बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि तीन-तरफा क्रॉस हाइब्रिड होने के कारण इसका बीज उत्पादन किफायती है व क्यूपीएम हाइब्रिड होने के कारण यह पोषण से भरपूर है व इसमें आवश्यक अमीनो एसिड लाइसिन और ट्रिप्टोफैन की मात्रा सामान्य मक्का की तुलना में दोगुनी है। क्यूपीएम और नवीनतम हाइब्रिड होने के कारण, यह निश्चित है कि यह हाइब्रिड अपनी सिफारिश के क्षेत्र में मौजूदा लोकप्रिय किस्मों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके साथ ही यह चारे की बेहतर गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी कारगर साबित हो रहा है। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओपी चौधरी ने एच.क्यू.पी.एम. 28 की बुआई का उपयुक्त समय बताते हुए कहा कि इस संकर किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के साथ।

एच.क्यू.पी.एम के हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ व उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़

इस किस्म की बंपर पैदावार पाने के लिए जमीन तैयार करने से पहले 10 टन प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाली गोबर की खाद डालनी चाहिए। हरे चारे की उपज को अधिकतम करने के लिए एनपीके उर्वरकों की सिफारिश खुराक 48:16:16 किलोग्राम प्रति एकड़ इस्तेमाल करनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा को बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा को बुआई के 3-4 सप्ताह बाद डालें। वैज्ञानिकों की जिस टीम ने इसको विकसित करने में मुख्य योगदान दिया उनमें डॉ. एमसी कम्बोज, प्रीति शर्मा, कुलदीप जांगिड़, पुनीत कुमार, साईं दास, नरेन्द्र सिंह, ओपी चौधरी, हरबिंदर सिंह, नमिता सोनी, सोमबीर सिंह और संजय कुमार शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.9.26	4	2-4

हकृवि ने उच्च गुणवत्ता युक्त मक्का हाइब्रिड एचक्यूपीएम 28 की विकसित

एचक्यूपीएम के हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़

- एचक्यूपीएम 28 अधिक पैदावार देने के साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील
- बिजाई के 60-70 दिन बाद ही कटाई को तैयार हो जाती है फसल

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज हाइब्रिड एचक्यूपीएम 28 विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के साथ ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, ● हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एचक्यूपीएम) की संकर किस्म एचक्यूपीएम 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की है जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र महाराष्ट्र मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एचक्यूपीएम 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फाल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ तथा उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा पौष्टिकता से भरपूर है जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है। इस किस्म के यह सभी पाचन गुण इसे मौजूदा किस्मों से बेहतर बनाते हैं। कुलपति ने क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिकों की टीम को ईजाद की गई इस नई किस्म के लिए बधाई दी।

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि तीन-तरफा क्रास हाइब्रिड होने के कारण इसका बीज उत्पादन किफायती है व क्यूपीएम हाइब्रिड होने के कारण यह पोषण से भरपूर है। इसमें आवश्यक अमीनो एसिड लाइसिन और ट्रिप्टोफैन की मात्रा सामान्य मक्का की तुलना में दोगुनी है। क्यूपीएम और नवीनतम हाइब्रिड होने के कारण, यह निश्चित है कि यह हाइब्रिड अपनी सिफारिश के क्षेत्र में मौजूदा लोकप्रिय किस्मों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके साथ ही यह चारे की बेहतर गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी कारगर साबित हो रहा है । क्षेत्रीय निदेशक डा. ओपी चौधरी ने कहा कि इस संकर किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है। इस किस्म की बंपर पैदावार पाने के लिए जमीन तैयार करने से पहले 10 टन प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाली गोबर की खाद डालनी चाहिए। हरे चारे की उपज को अधिकतम करने के लिए एनपीके उर्वरकों की सिफारिश खुराक 48:16:16 किलोग्राम प्रति एकड़ इस्तेमाल करनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा को बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा को बुआई के 3-4 सप्ताह बाद डालें। वैज्ञानिकों की जिस टीम ने इसको विकसित करने में मुख्य योगदान दिया उनमें डा. एमसी कम्बोज, प्रीति शर्मा, कुलदीप जांगिड़, पुनीत कुमार, साईं दास, नरेन्द्र सिंह, ओपी चौधरी, हरबिंदर सिंह, नमिता सोनी, सोमबीर सिंह और संजय कुमार शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-9-24	3	1-4

हकृवि ने उच्च गुणवत्ता युक्त मक्का हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम 28 की विकसित

हिसार, 24 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एच.क्यू.पी.एम.) की संकर किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है, जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ तथा उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा पौष्टिकता से भरपूर है जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है। इस किस्म के यह सभी पाचन गुण इसे मौजूदा किस्मों से बेहतर बनाते है। कुलपति ने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र करनाल के वैज्ञानिकों की टीम को ईजाद की गई, इस नई किस्म के लिए बधाई दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम के साथ।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि तीन-तरफा क्रॉस हाइब्रिड होने के कारण इसका बीज उत्पादन किफायती है व क्यूपीएम हाइब्रिड होने के कारण यह पोषण से भरपूर है व इसमें आवश्यक अमीनो एसिड लाइसिन और ट्रिप्टोफैन की मात्रा सामान्य मक्का की तुलना में दोगुनी है। क्यूपीएम और नवीनतम हाइब्रिड होने के कारण, यह निश्चित है कि यह हाइब्रिड अपनी सिफारिश के क्षेत्र में मौजूदा लोकप्रिय किस्मों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके साथ ही यह चारे की बेहतर गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी कारगर साबित हो रहा है ।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओपी चौधरी ने एच.क्यू.पी.एम. 28 की बुआई का उपयुक्त समय बताते हुए कहा कि इस संकर किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है।

इस किस्म की बंपर पैदावार पाने के लिए जमीन तैयार करने से पहले 10 टन प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाली गोबर की खाद डालनी चाहिए। हरे चारे की उपज को अधिकतम करने के लिए एन.पी.के. उर्वरकों की सिफारिश खुराक 48:16:16 किलोग्राम प्रति एकड़ इस्तेमाल करनी चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों की पूरी मात्रा को बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा को बुआई के 3-4 सप्ताह बाद डालें। वैज्ञानिकों की जिस टीम ने इसको विकसित करने में मुख्य योगदान दिया उनमें डॉ. एम.सी. कम्बोज, प्रीति शर्मा, कुलदीप जांगिड़, पुनीत कुमार, साईं दास, नरेन्द्र सिंह, ओपी चौधरी, हरबिंदर सिंह, नमिता सोनी, सोमबीर सिंह और संजय कुमार शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	25.09.2024	---	--

हकृवि ने उच्च गुणवत्ता युक्त मक्का हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम 28 की विकसित

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 24 सितम्बर: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एच.क्यू.पी.एम.) की संकर किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 141 क्विंटल प्रति एकड़ तथा उत्पादन क्षमता 220 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म बिजाई के बाद केवल 60-70 दिन में ही कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इस किस्म का हरा चारा पौष्टिकता से भरपूर है जिसमें प्रोटीन 8.7 प्रतिशत, एसिड-डिटर्जेंट फाइबर 42.4 प्रतिशत, न्यूट्रल डिटर्जेंट फाइबर 65 प्रतिशत और कृत्रिम परिवेशीय पाचन शक्ति 54 प्रतिशत है। इस किस्म के यह सभी पाचन गुण इसे मौजूदा किस्मों से बेहतर बनाते है। कुलपति ने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र करनाल के वैज्ञानिकों की टीम को ईजाद की गई इस नई किस्म के लिए बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि तीन-तरफा क्रॉस हाइब्रिड होने के कारण इसका बीज उत्पादन किफायती है व क्यूपीएम हाइब्रिड होने के कारण यह पोषण से भरपूर है व इसमें आवश्यक अमीनो एसिड लाइसिन और ट्रिप्टोफैन की मात्रा सामान्य मक्का की तुलना में दोगुनी है। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओपी चौधरी ने एच.क्यू.पी.एम. 28 की बुआई का उपयुक्त समय बताते हुए कहा कि इस संकर किस्म को मार्च के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर के मध्य तक उगाया जा सकता है। वैज्ञानिकों की जिस टीम ने इसको विकसित करने में मुख्य योगदान दिया उनमें डा. एमसी कम्बोज, प्रीति शर्मा, कुलदीप जांगिड़, पुनीत कुमार, साई दास, नरेन्द्र सिंह, ओपी चौधरी, हरिंवंदर सिंह, निमता सोनी, सोमबीर सिंह और संजय कुमार शामिल हैं।

हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित करने वाली वैज्ञानिको की टीम के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	25.09.2024	---	--

हकृवि ने उच्च गुणवत्ता युक्त मक्का हाइब्रिड एच.क्यू.पी.एम 28 की विकसित

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, करनाल ने चारे के लिए अधिक पैदावार देने वाली उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का (एच.क्यू.पी.एम.) की संकर किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 विकसित की है। यह संकर किस्म फसल मानकों और कृषि फसलों की किस्मों की रिहाई पर केंद्रीय उपसमिति द्वारा भारत में खेती के लिए अनुमोदित की गई है जिसमें उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ शामिल हैं । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह नई किस्म एच.क्यू.पी.एम. 28 अधिक पैदावार देने के साथ-साथ उर्वरक के प्रति क्रियाशील भी है। यह किस्म पोषण से भरपूर व प्रमुख रोग मेडिस पत्ती झुलसा रोग के प्रतिरोधी व प्रमुख कीट फॉल आर्मी वर्म के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है।